प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. : 111-

SECONDARY SENT-UP EXAMINATION - 2

माध्यमिक उत्प्रेषण परीक्षा – 2024

प्रश्न पुस्तिका सेट-कोड
Question Booklet
Set Code

A

विषय कोड :
Subject Code : 1

SOCIAL SCIENCE

(Compulsory)

सामाजिक विज्ञान

(अनिवार्य)

A

खण्ड - अ / SECTION - A

वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Objective Type Questions

न संख्या 1 से 80 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिन
ी है। अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR शीट पर चिह्नित क
0 प्रश्नों के ही उत्तर दें। 40 ×

uestion Nos. 1 to 80 have four options each, out of which only
rrect. Mark your selected option on the OMR sheet. Answ
0 questions. 40 ×

ला मार्सिले किस देश का राष्ट्रगान है ?

खण्ड - ब / SECTION - B

इतिहास / History

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 1 से 6 तक लघु उत्तरीय हैं। इनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दें। लिए 2 अंक निर्धारित है।

Question Nos. 1 to 6 are Short Answer Type. Answer any Each question carries 2 marks.

1. हिन्द-चीन के प्रति फ्रांस की औपनिवेशिक योजना क्या थी ?

   What was the colonial plan of France towa Indo-Chi

2. मेटरनिख व्यवस्था का उद्देश्य क्या था ?

3. कार्ल मार्क्स के ऐतिहासिक भौतिकवाद को परिभाषित करें।

Define historical materiali

4. साइमन कमीशन का उद्देश्य क्या था ?

What was the purpo ... mission ?

5. अहस्तक्षेप की नीति क्या है ?

What is the po ... z faire ?

6. स्वराज दल की क्या उपलब्धियाँ थीं ?

What were ... ents of Swaraj Dal ?

प्रश्न / Long Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 7 और 8 दीर्घ उत्तरीय हैं। इनमें से किसी एक का उत्तर दें। प्रत्येक 4 अंक निर्धारित है।

प्रश्न संख्या 7 और 8 दीर्घ उत्तरीय हैं। इनमें से किसी एक का उत्तर दें। प्रत्येक

4 अंक निर्धारित है।

Question Nos. 7 and 8 are Long Answer Type. Answer any
Each question carries 4 marks.

7. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें।

Describe the role of Bismarck in the unification of Germ

8. राष्ट्रीय आंदोलन में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के योगदान की विवेचना

राजनीति विज्ञान / Political Science

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

संख्या 9 से 12 तक लघु उत्तरीय हैं। इनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्ये
2 अंक निर्धारित है।

tion Nos.. 9 to 12 are Short Answer Type. Answer any 2 ques
question carries 2 marks.

2 ×

2 ×

'क्षेत्रीय राजनीतिक दल' के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु आवश्यक शर्तें बताइए।

State the conditions

... प्राप्त करने हेतु आवश्यक शर्तें ...

State the conditions required to be ... Political Party'.

10. सामाजिक मतभेदों का उद्भव किस प्रकार सामाजिक विभाजन को जन्म देत...

How does the emergence of ... lea... division ?

11. समवर्ती सूची के अंतर्गत कौन-कौन विषय आते है ?

Which subjects fall under ... current list ?

12. संघीय व्यवस्था के मूल ...

What are ... ives of a federal system ?

प्रश्न संख्या 13 एवं 14 दीर्घ उत्तरीय हैं। इनमें से किसी एक का उत्तर दें। इ
लिए 4 अंक निर्धारित है।

Question Nos. 13 and 14 are Long Answer Type. Answer any o
Each question carries 4 marks.

13. राजनीतिक दलों के लिए आचार संहिता की आवश्यकता पर चर्चा करें।

Discuss the need for the code of conduct for political par

14. भारत में संघ-राज्य संबंध पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on Union-State relations in India.

A

अर्थशास्त्र / Economics

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questi

प्रश्न संख्या 15 से 18 तक लघु उत्तरीय हैं। इनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के के लिए 2 अंक निर्धारित है।

Question Nos. 15 to 18 are Short Answer Type. Answer Each question carries 2 marks.

15. राष्ट्रीय आय की गणना में आने वाली किन्हीं दो कठिनाइयों को लिखि

Write any two difficulties that arise in the calculate

Question Nos. 15 to 18 are Short Answer Type. Answer an
Each question carries 2 marks.

15. राष्ट्रीय आय की गणना में आने वाली किन्हीं दो कठिनाइयों को लिखिए।

    Write any two difficulties that arise in the calculatio income.

16. मानव विकास सूचकांक क्या है ?

    What is Human Development Inde

17. मुद्रा किस प्रकार साख का आधार है ?

    How money is the basis

18. वाणिज्यिक बैंक के सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य बताइए।

Question Nos. 19 and 20 are Long Answer Type. Answer any
Each question carries 4 marks.

19. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने किस प्रकार वैश्वीकरण की किया है ? वर्णन करें।

How has the development of information and co technology accelerated the process of globalization ? Ex

20. साख पत्र क्या है ? मुद्रा के प्रमुख कार्यों का वर्णन करें।

What is letter of credit ? Explain the main functions of

भूगोल / Geography

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 21 से 26 तक लघु उत्तरीय हैं। इनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दें। प्र
के लिए 2 अंक निर्धारित है। 3

Question Nos. 21 to 26 are Short Answer Type. Answer any 3 qu
Each question carries 2 marks. 3

21. हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं ?

    What do you mean by Green revolution ?

22. मृदा निर्माण में सहायक कारक कौन-से हैं ?

    What are the factors which help in the formation of soil ?

21. हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं ?

What do you mean by Green revolution ?

22. मृदा निर्माण में सहायक कारक कौन-से हैं ?

What are the factors which help in the formatic il ?

23. संसाधन नियोजन क्यों आवश्यक है ?

Why is resource planning essential ?

24. नदी घाटी परियोजनाओं के मुख्य उद्देश्यों को लिखिए।

Write the main objectives of ri ts.

25. ऊर्जा के दो अनवीकरणीय स्रोतों का उल्लेख

Mention two non-renewab ergy.

26. प्राकृतिक गैस का महत्व बताइए।

Question Nos. 29 to 32 are Short Answer Type. Answer any 2 quest
Each question carries 2 marks. 2 × 2

29. सामान्य संचार व्यवस्था के बाधित होने के प्रमुख कारणों को लिखिए।

Write the main reasons for disruption of normal communica system.

30. भारत के अत्यधिक संवेदनशील भूकंप क्षेत्रों के नाम

Write the names of highly vulnerabl zones of India

31. भूकम्प के विनाशकारी प्रभाव से बचने के ख कीजिए।

Mention two measure the disastrous effe earthquake.

32. जीवन रक्षक आकस्मिक प्र न की क्या आवश्यकता है ?

What is the need of li ng emergency management ?

1. **उत्तर**—हिन्द-चीन आनेवाले यूरोपियनों में पुर्तगाली, डच, स्पेन, अंग्रेज तथा फ्रांसीसी थे। इनमें से केवल फ्रांस ही इस भू-भाग पर राजनीतिक प्रभुत्व कायम करने हेतु सक्रिय रहा। 1747 ई० में फ्रांस ने व्यापार के उद्देश्य से अन्नाम के साथ राजनयिक सम्बन्ध बनाया। 1787 ई० में फ्रांसीसी सहायता से चीन का राजा विद्रोह दबाने में सफल रहा। फलतः दोनों में संधि हो गई।

19वीं सदी के प्रारंभ में अन्नाम और कोचीन-चीन में फ्रांसीसी पादरियों के विरुद्ध उग्र आन्दोलन छिड़ गया। फ्रांस ने सैन्य-बल पर 1862 ई० में अन्नाम को संधि के लिए बाध्य किया। 1863 ई० में कम्बोडिया भी फ्रांस का संरक्षित राज्य बन गया। 1873 ई० में फ्रांस ने तोंकिन के कुछ भागों पर अपनी सत्ता स्थापित कर ली। 1884 ई० में फ्रांस ने अन्नाम को अपना संरक्षित राज्य बना लिया। 1893 ई० में फ्रांस ने लाओस के रूप में नया फ्रांसीसी संरक्षित क्षेत्र बनाया जिसमें 1904 ई० में कुछ और क्षेत्र जुड़ गये। इस प्रकार, 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ होते ही सम्पूर्ण हिन्द-चीन फ्रांस की अधीनता में आ गया।

2. मेटरनिख व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य था:

- यूरोपीय देशों के बीच विवादों को सुलझाना
- यूरोप में होने वाली क्रांति को रोकना
- यूरोप के शाही परिवारों के पारंपरिक शासन को बनाए रखना
- शक्ति संतुलन बनाकर किसी भी देश को बाकी पर विजय पाने से रोकना

4.

साइमन कमीशन का उद्देश्य था:

- भारत में सरकारी प्रशासन की जांच करना
- 1919 के भारत सरकार अधिनियम की जांच करना
- इस अधिनियम के कामकाज की समीक्षा करना और सुधारों का सुझाव देना
- ब्रिटिश भारत के कानून और शासन ढांचे में संभावित बदलावों की जांच करना

7. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें। इसमें विलियम प्रथम ने क्या सहायता की? क्या विलियम की मदद के बिना एकीकरण संभव था? **14A, 16A** **BM, 12 A**

उत्तर—प्रशा का चाँसलर बनने के बाद बिस्मार्क का मुख्य उद्देश्य प्रशा को शक्तिशाली बनाना था। वह जर्मन संघ में आस्ट्रिया के प्रभाव को समाप्त कर प्रशा के नेतृत्व में जर्मनी के एकीकरण के सपने देखा करता था। अपने इस उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए बिस्मार्क को अनेक आंतरिक तथा बाह्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रशा की सेना के पुनर्गठन हेतु आवश्यक धनराशि को जुटाने के क्रम में उसे प्रतिनिधि सभा से काफी संघर्ष करना पड़ा। बिस्मार्क जर्मन एकीकरण के लिए सैन्य शक्ति के महत्व को समझता था। अतः इसके लिए उसने रक्त और लौह नीति का अवलम्बन किया। उसने अपने देश में अनिवार्य सैन्य सेवा लाग की।

प्रशा को सर्वश्रेष्ठ सैनिक शक्ति बनाकर उसने कूटनीति का सहारा लेते हुए पहले रूस, फ्रांस और इटली से मित्रता कर ऐसी अंतर्राष्ट्रीय स्थिति बना दी कि जब आस्ट्रिया के साथ प्रशा का युद्ध हो तो कोई भी पड़ोसी राष्ट्र आस्ट्रिया की सहायता न कर सके। उपरोक्त सैन्य एवं कूटनीतिक तैयारी के उपरान्त बिस्मार्क ने अगले तीन युद्धों के द्वारा जर्मनी के एकीकरण का कार्य पूर्ण किया।

डेनमार्क के साथ युद्ध—1864 ई॰ में शेल्सविग और होल्सटीन राज्यों के मुद्दे पर बिस्मार्क ने आस्ट्रिया के साथ मिलकर डेनमार्क पर आक्रमण कर दिया। इसमें जीत के बाद शेल्सविग प्रशा को मिला। आस्ट्रिया को होल्सटीन मिला जिसकी अधिकांश जनता जर्मन थी तथा वह क्षेत्र आस्ट्रिया से दूर तथा प्रशा के निकट था। यह बिस्मार्क की कूटनीति का ही कमाल था।

आस्ट्रिया से युद्ध—बिस्मार्क ने ऑस्ट्रिया-प्रशा युद्ध को अवश्यम्भावी जान इस युद्ध के समय तटस्थ रहने के लिए फ्रांस से समझौता किया। साथ ही इटली के साथ संधि की कि आस्ट्रिया-प्रशा युद्ध के समय इटली आस्ट्रियाई क्षेत्रों पर आक्रमण कर देगा। बिस्मार्क के कार्यों से क्षुब्ध आस्ट्रिया ने 1866 ई॰ में प्रशा के खिलाफ सेडोवा में युद्ध की घोषणा कर दी। संधियों के फलस्वरूप आस्ट्रिया दोनों तरफ से युद्ध में फँसकर बुरी तरह पराजित हुआ। इससे आस्ट्रिया का जर्मन क्षेत्रों से प्रभाव समाप्त हो गया।

11. समवर्ती सूची

उत्तर—संघीय व्यवस्था के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्य दोनों के लिए महत्त्व रखने वाले विषयों को जिस सूची में शामिल किया गया है, उसे समवर्ती सूची कहा जाता है। समवर्ती सूची पर संसद और राज्य की विधायिका दोनों को कानून बनाने का अधिकार है। समवर्ती सूची के विषयों की संख्या 47 है। जैसे—शिक्षा, जंगल, श्रमिक संगठन, विवाह एवं विवाह-विच्छेद, उत्तराधिकार इत्यादि। परन्तु यदि एक ही विषय पर दोनों कानून बना दें तो संसद द्वारा बने कानून को ही मान्यता दी जाती है।

10.

समाज में कई प्रकार, भिन्न भिन्न प्रान्त एवं जाती के लोग रहते है। **क्षेत्र, धर्म और संप्रदाय के आधार पर भी सामजिक भेदभाव उत्पन्न होती है**। इन सभी कारणों के ऊपर जन्म को सामजिक भेदभाव की उत्पति होती है। लोगो के शारीरिक रूप से भी भेदभाव होता है जैसे की काले गौरे, स्त्री पुरुष, लंबगे नाटे इत्यादि।

13.

भारत, राज्यों का एक संघ है। भारत के संविधान को विधायपालिका, कार्यपालिका और केंद्र तथा राज्यों के बीच वित्तीय शक्तियों में विभाजित किया गया है, जो संविधान को संघीय विशेषता प्रदान करता है जबकि न्यायपालिका एक श्रेणीबद्ध संरचना में एकीकृत है।

15. राष्ट्रीय आय की गणना में होने वाली कठिनाइयों का वर्णन करें।

11 C, 15 A, 18 A

उत्तर—राष्ट्रीय आय की गणना में निम्नांकित कठिनाइयाँ होती हैं—आँकड़ों को एकत्र करने में कठिनाई, दोहरी गणना की सम्भावना, मूल्य के मापने में कठिनाई आदि।

20. साख पत्र क्या है? कुछ प्रमुख साख पत्रों पर प्रकाश डालें।

उत्तर—साख मुद्रा के रूप में जिन साधनों का प्रयोग किया जाता है, साख पत्र कहलाते हैं। साख पत्र के आधार पर साख या ऋण का आदान-प्रदान होता है। साख पत्र ठीक मुद्रा की तरह कार्य करते हैं। मुद्रा को कानूनी मान्यता प्राप्त है जबकि साख पत्रों को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है।

प्रमुख साख पत्रों में—चेक, विनिमय बिल, बैंक ड्राफ्ट, हुण्डी, प्रतिज्ञा पत्र यात्री चेक, पुस्तकीय साख तथा साख प्रमाण पत्र आदि प्रमुख हैं। खाताधारी द्वारा निर्गत बैंक को वह आदेश पत्र जो नामित को रकम अदायगी आदेश देता है चेक कहलाता है। यह मुख्यतः तीन प्रकार से चेक धारक निर्गत कर सकता है—Self, Bearer और A/c Payee. चेक सबसे प्रचलित साख पत्र है।

21. हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर— भारतीय कृषियों में क्रांतिकारी विकास को हरित क्रांति कहते हैं। नई-प्रजायितों की फसल लगाकर, सिंचाई सुविधाओं, आधुनिक उपकरणों के प्रयोग एवं रासायनिक खाद उर्वरकों के प्रयोग से भारतीय कृषि में सोना उत्पादन होने लगा है। भारतीय कृषि अब सहारा नहीं बल्कि व्यवसाय बन गई है। कृषि में आई इस अमूल-चूल उत्थान को हरित क्रांति के नाम से जाना जाता है।

22. मृदा निर्माण के कारकों का उल्लेख करें। **19 C**

उत्तर—मृदा का निर्माण मूलतः शैलों के टुटने-फूटने और भौतिक, रासायनिक तथा जैविक परिवर्तन से होता है। मृदा-निर्माण में प्रमुख सहायक कारक है—(i) आधारभूत शैलों या अनावृत क्रिया से प्राप्त शैल चूर्ण, (ii) शैलों का मौसमी अपक्षय एवं अपरदन क्रिया द्वारा विखण्डन, (iii) धरातल, (iv) जलवायु, (v) वनस्पति, (vi) जीव-जन्तु इस प्रकार मृदा निर्माण की प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है।

24. नदी घाटी परियोजनाओं को बहुउद्देशीय क्यों कहा जाता है? अथवा, नदी घाटी परियोजना के मुख्य उद्देश्य क्या है? **15C**

उत्तर—बहुउद्देशीय परियोजना वह है जो एक साथ अनेक उद्देश्यों को पूरा करती है। एक समन्वित नदी घाटी परियोजना का आयोजन इस प्रकार किया जाता है कि विकास के अनेक लक्ष्यों को एक साथ प्राप्त किया जा सके। नदी घाटी परियोजना के उद्देश्य निम्न हैं–(i) बाढ़ नियंत्रण, (ii) सिंचाई के लिए जल प्रदान करना, (iii) भू-अपरदन रोकना (iv) बिजली उत्पादन (v) मत्स्य पालन। इसी कारण नदी घाटी परियोजनाओं को बहुउद्देशीय परियोजना कहा जाता है।

31. भूकम्प क्या है? इससे बचाव के किन्हीं तीन उपायों का उल्लेख करें।

BM, 11 A, 19 A, 21 A

उत्तर—धरती में उत्पन्न ऊर्जा तरंगें चट्टानों में कम्पन उत्पन्न करती हैं। कम्पन का केन्द्र जब स्थल खण्ड होता है तो उसे भूकम्प (earth quake) कहते हैं। भूकम्प एक प्राकृतिक आपदा है। इसमें जानमाल दोनों की क्षति होती है। भारत में दरभंगा (बिहार) एवं लातूर (महाराष्ट्र), भूज (गुजरात) में भयंकर भूकम्प आए थे। भूकम्प से बचाव के दो उदाहरण इस प्रकार हैं—(i) भूकम्परोधी भवन निर्माण कर, (ii) भूकम्प के पूर्वानुमान पर सक्रियता प्रदर्शन द्वारा। (iii) भूकम्प के समय आपदा से बचाव के तरीकों का इस्तेमाल कर।

29. सामान्य संचार व्यवस्था के बाधित होने के प्रमुख कारणों को लिखिए। BM

उत्तर—इस पृथ्वी पर छोटी-बड़ी आपदाएँ होती रहती हैं। दुर्भाग्यवश भूकम्प, चक्रवात, बाढ़, सुनामी एवं भूस्खलन जैसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के समय प्रचलित सभी दूरसंचार सेवाओं का बुनियादी ढाँचा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाता है। दूर संचार व्यवस्था प्रभावित क्षेत्र में काम करना बन्द कर देती है। बिजली आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण ऐसा होता है। ट्रांसमीशन टावरों के क्षतिग्रस्त हो जाने से पुलिस तथा सिविल प्रशासन का बेतार रेडियो संचार नेटवर्क भी प्रभावित हो जाता है। संकट की स्थिति में इस पर क्षमता से अधिक भार पड़ने से संचार नेटवर्क में रुकावट उत्पन्न हो जाती है या फिर नेटवर्क पूरी तरह फेल हो जाता है।